

:: अधिसूचना ::

क्मांक : 1065/अका. / 2005

रायपुर, दिनांक : 🔰 / 05 / 2005

पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर कार्य परिषद की दिनांक 12.04.2005 को सम्पन्न बैठक में विनियम क्रमांक 90 'भारत के पूर्व राष्ट्रपति : डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक' में निम्नानुसार संशोधन को अनुमोदन प्रदान किया गया है :—

दानदाता

महामहिम राष्ट्रपति राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली — 110004

धर्मादा निधि का मूल्य

18,000 / - (रूपये अठारह हजार मात्र)

- 01. यह विनियम भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपित डॉ. शंकर दयाल शर्मा, स्वर्ण—पदक के नाम से जाना जावेगा, जो कि पदक के एक ओर अंकित रहेगा ।
- 02. यह धर्मादा निधि के मूल्य से ब्याज के रूप में प्राप्त विशुद्ध आय का उपयोग प्रतिवर्ष स्वर्ण-पदक देने हेतु किया जायेगा । यह स्वर्ण-पदक छात्र/छात्रा को उसके "General Proficiency including character conduct, Excellence in Academic Performance, Extra Curricular activities and Social Service" के आधार पर निर्णय कर प्रदान किया जावेगा ।
- 03. उपरोक्त मानदण्डों के आधार पर प्रत्येक महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के अध्ययनशाला के प्रमुख अपनी संस्था के एक सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा का नाम तथा जीवन—वृत्त, उसकी विभिन्न के क्षेत्रों में उपलब्ध्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए अभिप्रमाणित अभिलेखों के साथ कुलसचिव, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित तिथि तक प्रेषित करेंगे।
- 04. उपरोक्त संस्थाओं द्वारा अनुशंसित नामों में से डॉ. शंकर दयाल शर्मा, स्वर्ण-पदक हेतु, सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा का चयन समिति द्वारा किया जायेगा । समिति चयन कर अपनी संस्तुति कुलपित को देगी ।
- 05. कुलपित द्वारा उपरोक्त संस्तुित पर अपना निर्णय ले दीक्षान्त—समारोह अथवा कार्य परिषद द्वारा निर्धारित तिथि चयनित छात्र/छात्रा को स्वर्ण—पदक एवं प्रशंसा—पत्र प्रदान किया जायेगा ।
- 06. दो या दो से अधिक छात्रों के समान निर्णय होने की स्थिति में उम्र में वरिष्ठ छात्र/छात्रा को यह पदक प्रदान किया जावेगा ।

(के. के. चन्द्राकर) कुलसचिव

कमांक : **\o 66** / अका. / 2005

रायपुर, दिनांक : 👭 / 05 / 2005

प्रतिलिपि:-

the property of the contract o

- 1. राज्यपाल के सचिव, राजभवन, छत्तीसगढ़, रायपुर।
- 2 परागर्श रागिति के सदस्यों को ।
- समस्त विभाग प्रमुख,
- 4. कुलपति के सचिव/ कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर।

्र प्रंजि पुकुलसचिव

विनिमय क्रमांक - ९२

'6th ACC PRIZE ENDOWMENT OF AOI' for M.S. (ENT) FIRST'

अधिनियम की धारा ५२ की उपधारा (चार) की कं डिका (पांच) के अन्तर्गत कार्यपरिषद की ओर से कुलपित द्वारा दिनांक १७ अक्टूबर १९९४ को अनुमोदित।

दानदाता

डॉ. एन. के, आप्टे

ट्रस्टी - ए. ओ. आई.

आर. एंड ई. फाउन्डेशन - बम्बई

धर्मादा निधि का मूल्य

- रू. १५,०००/- (रू. पन्द्रह हजार मात्र)

- यह विनिमय 6th AOC PRIZE ENDOWMENT OF A.O.I. पदक के नाम से जाना जावेगा, जो कि पदक के एक ओर अंकित रहेगा I
- २. इस धर्मादा निधि के मूल से ब्याज के रूप में प्राप्त विशुद्ध आय का उपयोग पदका तैयार करने में किया जावेगा। यह पदक M.S. (ENT) में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह पर प्रदान किया जायेगा।
- ३. कंडिका (२) के अन्तर्गत यदि दो या दो से अधिक विद्यार्थियों को समान अंक प्राप्त होते हैं तो ऐसी सभी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किया जावेगा।
- ४. यह पदक सन्त्र १९९४-१९९५ की परीक्षा से प्रदान किया जायेगा।

विनिमय क्रमांक - ९३

"स्व. ललित मोहन श्रीवास्तव स्मृति"

स्वर्ण पदक

(अधिनियम की धारा ५२ की उपधारा (चार) की क डिका (पांच) के अन्तर्गत कार्यपरिषद की ओर से कुलपित द्वारा दिनांक ११-१२-१९१४ को अनुमोदित ।)

दानदात्री

श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव,

कायस्थ पारा, पुरानी बस्ती, रायपुर (म.प्र.)

धर्मादा निधि का मूल्य

रू. १५,०००/- (रू. पन्द्रह हजार मात्र)

- रू. १,५००/- (रू. एक हजार पांच सौ मात्र) अतिरिक्त सत्र १९९३ - ९४ के लिये।

- 9. यह विनिमय स्व. लिलत मोहन श्रीवास्तव स्मृति ''स्वर्ण पदक'' के नाम से जाना जायेगा, जो कि पदक के एक ओर अंकित रहेगा।
- २. इस धर्मादा निधि के मूल से ब्याज के रूप में प्राप्त विशुद्ध आय का उपयोग पदक तैयार करने में किया जायेगा।
 - यह पदक बी.एस.सी. अंतिम कक्षा के एैसे विद्यार्थियों को , जिसने भौतिक शास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हों , प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह पर प्रदान कि या जायेगा ।
- इं. कंडिका (२) के अन्तर्गत यदि दो या दो से अधिक विद्यार्थियों की समान अंक प्राप्त होते हैं तो ऐसे सभी विद्यार्थियों को पदक प्रदान कि या जायेगा।
- ४. यह पदक सत्र १९९३-९४ की परीक्षा से प्रदान किया जायेगा।

Regulation No. 94 RAMESH-UMA MEHROTRA VIDHVA-VIVAH-PRACHAR GOLD MEDAL (NO.1)

(To propaga-te the cause of widow Marriage among the examinees of Marriage LINGUISTICS in the University) Approved by the Kulpation - 14.7.95 by virtue of the proven vested in him under section 52 (4) (V) of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhimyana 1973).

Donor

17/8

40 F

Dr. Ramesh Chandra Mehrotra &

Smt. Uma Mehrotra, Dangania, Raipur

Value of endowment

Rs. 15,000/-

Awarded

One Gold Medal

The endowment shall be called "Ramash-Uma Mehrotra Vidhva-Vivah Prachar Gold Medal (No. 1)" and it shall be inscribed on one side of the Medal.

The net income accruing from the endowment every year shall be utilized for the award of a Gold-Medal at the Annual Convocation of the University to the examinee, when secures the highest marks in the University amongst the examinees placed in the first Division in M.A. Linguistics examination of the year.

In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions.

of para-2, each of them shall be awarded Gold-Medal.

The Gold-Medal shall be awarded to the candidate(s) from the year 1996, every year regularly.

Regulation No. 95 RAMESH-UMA MEHROTRA VIDHVA-VIVAH-PRACHAR GOLD MEDAL (NO.2)

(To propaga-te the cause of widow Marriage among the examinees of M. Phil. LINGUIS. TICS in the University) Approved by the Kulpation - 14.7.95 by virtue of the powers vested in him under section 52 (4) (V) of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhiniyam - 1973)

Donor

Dr. RAmesh Chandra Mehrotra &

Smt. Uma Mehrotra, Dangania, Raipur Rs. 15,000/-

Value of endowment

Awarded

One Gold Medal

- The endowment shall be called "Ramash-Uma Mehrotra Vidhva-Vivah Prachar Gold Medal (No. 2)" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from the endowment every year shall be utilized for the award of a Gold-Medal at the Annual Convocation of the University to the examinee, who secures the highest marks, but not lower than 60% of the total aggregate at the M.Phill Linguistics Examination of the year.

In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions 3. of para-2, each of them shall be awarded Gold-Medal.

The Gold-Medal shall be awarded to the candidate(s) from the year 1996, every year 4. regularly.

Regulation No. 96 RAMESH-UMA MEHROTRA VIDHVA-VIVAH-PRACHAR GOLD MEDAL (NO.3)

(To propaga-te the cause of widow Marriage among the examinees of M.A. in the . University) Approved by the Kulpati on - 14.7.95 by virtue of the powers vested in flim under section 52 (4) (V) of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhiniyam - 1973).

Donor : Dr. RAmesh Chandra Mehrotra &

Smt. Uma Mehrotra, Dangania, Raipur

Value of endowment : Rs. 15,000/-

Awarded : One Gold Medal

1. The endowment shall be called "Ramash-Uma Mehrotra Vidhva-Vivah Prachar Gold-Medal (No. 3)" and it shall be inscribed on one side of the Medal.

- 2. The net income accruing from the endowment every year shall be utilized for the award of a Gold-Medal at the Annual Convocation of the University to the examinee, who secures the highest marks in the University amongst the examinees placed in the First Division in all the M.A. Examinations of the year taken together in the subjects of the School of studies of the University.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, each of them shall be awarded Gold-Medal.
- 4. The Gold-Medal shall be awarded to the candidate(s) from the year 1996, every year regularly.

Regulation No. 97

RAMESH-UMA MEHROTRA VIDHVA-VIVAH-PRACHAR GOLD MEDAL (NO.4)

(To propaga-te the cause of widow Marriage among the examinees of M.Sc. in the University) Approved by the Kulpati on - 14.7.95 by virtue of the powers vested in film under section 52 (4) (V) of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhiniyam - 1973).

Donor : Dr. RAmesh Chandra Mehrotra &

Smt. Uma Mehrotra, Dangania, Raipur

- 1. The endowment shall be called "Ramash-Uma Mehrotra Vidhva-Vivah Prachar Gold-Medal (No. 4)" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- 2. The net income accruing from the endowment every year shall be utilized for the award of a Gold-Medal at the Annual Convocation of the University to the examinee, who secures the highest marks in the University amongst the examinees placed in the First Division in all the M.Sc. Examinations of the year taken together in the subjects of the Schools of Studies in the University.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, each of them shall be awarded Gold-Medal.
- 4. The Gold-Medal shall be awarded to the candidate(s) from the year 1996, every year regularly.

Regulation No. 98 RAMESH - UMA MEHROTRA VIDHVA-VIVAH-PRACHAR GOLD MEDAL (NO.5)

いかのはなりますのでは、ないというでは、八人のないないのでは、大利のですでは、これではないのでは、大利のないのでは、大利のないのでは、大利のないのでは、大利のないのでは、大利のないのでは、大利のないのでは、

(To propaga-te the cause of widow Marriage among the examinees of B.A. with LINGUISTICS in the University) Approved by the Kulpation - 14.7.95 by virtue of the powers vested in flim under section 52 (4) (V) of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhiniyam - 1973).

Donor : Dr. RAmesh Chandra Mehrotra &

Smt. Uma Mehrotra; Dangania, Raipur

Value of endowment : Rs. 15,000/-Awarded : One Gold Medal secures the highest marks in the University amongst the examinees placed in the Energy of the Parks in B.Sc. examination of the year.

- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the processor
 of para-2, each of them shall be awarded Gold-Medal.
- 4. The Gold-Medal shall be awarded to the candidate(s) from the year 1996 over 1996 over 1996.

Regulation No. 101 RAMESH - UMA MEHROTRA VIDHVA-VIVAH-PRACHAR GOLD MEDAL (NO. 11)

(To propaga-te the cause of widow Marriage among the examinees of B.A. in this University) Approved by the Kulpati on - 14.7.95 by virtue of the powers vested in Humanian section 52 (4) (V) of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhiniyam - 1973).

Donor : Dr. RAmesh Chandra Mehrotin #

Smt. Uma Mehrotra, Dangania, Raipur

Value of endowment : Rs. 15,000/-Awarded : One Gold Medal

- The endowment shall be called "Ramash-Uma Mehrotra Vidhva-Vivah Prachar Gold Medal (No. 8)" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- 2. The net income accruing from the endowment every year shall be utilized for the award of a Gold-Medal at the Annual Convocation of the University to the examinee, who secures the highest marks in the University amongst the examinees placed in the limit Division in B.A. examination of the year.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, each of them shall be awarded Gold-Medal.
- 4. The Gold-Medal shall be awarded to the candidate(s) from the year 1996, every year regularly.

Regulation No. 102

Regulation for granting recognition of the University Employee's Association engaged in the general welfare of the employees of the University.

(Refer Section 40 of the Madhya Pradesh Vishwavidyalaya Adhin\iyam, 1973).

- 1. Short Title, Extent and Commencement:
 - 1. Short Title: This regulation shall be called the Pt. Ravishankar Shukla University recognition of Employee's Association.
 - 2. Extent: The extent of this regulation shall extend to the Association of the University Employees registered under the Firms and Societies Act subject to the provisions of Section 6 and 8 of the M.P. Vishwavidyalaya Adhiniyam, 1973 for general welfare of the employees of the University.
 - 3. Commencement: It shall come into force on 1-8-1995, the date on which it has been approved by the Kulpati under Section 52 (4) (v) of the Adhiniyam on behalf of the executive council.

2. Repeal:

\$} •

As from the First day of August, 1995, the appointed date under sub-section (3) of section (1) referred to as the appointed date, the following consequences shall ensue:

- Regulation No. 25 stands repealed.
- 2. The Association of the Employees granted recognition under the repecaled regulation shall seek and apply for recognition as provided for in this regulation.
- 3. Definition:
 - "University" means Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

- 2. "Employees" means any person appointed by the University and in the 16 to 1
- "The Act/Adhiniyam" means the Madhya Pradesh Vishwavidy display to thorus and 1973.
- 4. "Kuladhipati" means the Kuladhipati of Pt. Ravishankar Shuklatting or up
- 5. "Kulpati" means the Kulpati of Pt. Ravishankar Shukla University (Coper
- 6. "Ragistrar" means the Ragistrar, Pt. Ravishankar Shukla University 11 again
- 7. "Adhinistrative Authority" means the authrity defined as the Administrative to set of the University as provided in the adhiniyam.
- 8. "Association" means any association organised by the employees of the University employees' subject to the provisions of section 6 and 8 of the adhingance and the statutes and ordenances framed the reunder, governing the conditions of section of the employees of the University, registered under the firms and societies of Madhya Pradesh.

4. Conditions for granting recognition to the association:

As from the appointed date this regulation shall come into force, the University may consider to grant recognition to any employees' assocition subject to the fulfillment of the following conditions.

- The employees association has applied for granting such a recognition with emplete details of the membership, aims and objects of the association, registration, funds operation of funds, the constitution of the association conforming to the bye-laws of the firms and societies act, provided that no application of any association can be made for recognition unless the aims and objects of the association are conforming to section endicate governing the service conditions of the University employees.
- 2. The association has at least 50 percent of the employees of the cadre/cadron and the memvers.

Provided that the University may relax the condition of the number of membership in the interest and genral welfare of the employees if it is satisfied to do not the interest of the University.

- The association has at least 50 percent of the employees of the cadre/cadres and its members.
- 4. The Association shall have its Managing Body or the Executive Committee or the Ceneral Body from amongst its members only.
- 5. The Funds of the Association shall be limited to the monthly/quarterly or annual subscription of its members, collected by the Association only, and shall be used only for the purpose of the Association and welfare of its members.
- 6. The Association shall accept subscription from its members alone but the association or its members either individually and/or collectively shall not raise any fund by way/of donation, either in cash or in kind from any other Body/Bodiess, person/persons, Association/Associations for the purpose of the Association
- 7. An employee can be a member of one Association of the University and he can not opt for membership of multiple Association/Association of the University Employ ees and an employee is debarred to act in contravention of the same.
- 8. The Association granted recognition on fulfilment of the above conditions by the University shall aside by the following.
 - (a) The Association will take up matters of general welfare of the members of the Association subject to the conditions of Section 6 and 8 of the Adhiniyam and subject to the service conditions laid down by the University.
 - (b) The Association shall not take up any individual service matter of it.

members.

Provided that the Association shall also not take up any individual ++++ matter of a member of any other Association.

- (c) The Association shall not associate itself with any political party/partie or political thoughts or its programme and further shall not engage death himself in furtherance there of in any manner, what-so-ever.
- (d) The Association shall route all its application, memorandum, etc. through proper channel and shall address them to the Registrar of the University as per provisions of the Adhiniyam.
- (e) The Association shall submit a list of its members, office bearers, its latest constitution, audited yearly account, along with annual report, approved by its General in its constitution and bye-laws, to the University so as to reach the University through the Registrar not later than 1st July every year.
- (f) The association may propose for amendment in its constitution which may be conforming to the bye-laws of and shall be required to submit its complete amended constitution duly approved in the manner as may be prescribed in the constitution/bye-laws.

Withdrawal of Recognition:

If the University upon any time on receipt of a report or otherwise is satisfied that the activities to the interest of the University and University administration and the work of the University cannot be carried out in accordance with the provisions of the Adhiniyam, Statutes and Ordinances, the recognition granted to the Association may be withdrawn by an order issued by the administrative authority; AND FURTHER the recognition of the Association shall stand withdrawn if the Association does not fulfil the conditions of recognition, as laid down in the Regulation.

शोध केन्द्रों को मान्यता प्रदान करने संवंधी विनियम क्रमांक - १०७

यह विनिमय विश्वविद्यालय द्वारा शोध केन्द्रों को मान्यता प्रदान करने से संबंधित होगा। जिन महाविद्यालयों एवं संस्थाओं को थोप केन्द्र की मान्यता प्राप्त करनी हो , उन्हें निम्न शर्तों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा -

- " प्रत्येक महाविद्यालय के प्राचार्य अथवा संस्था के प्रमुखों को निर्धारित प्रपन्न में शोधके न्द्र की गान्यता हेतु आवेदन करना हो गा ।
- आवेदन की कोई अंतिम तिथि नहीं होगी, वे कभी भी भेजे जा सकते हैं।
- : आवेदन के साथ प्रत्येक विषय के लिये रु. ३,०००/- (रू. तीन हजार मात्र) मान्यता शुल्क पटाना आवश्यक होगा ।
- (१) केवल ऐसे महाविद्यालय को ही शोध के न्द्र की मान्यता के लिये आवेदन करने की पात्रता होगी, जहां संबंधित विषय की रनातकोत्तर अध्यापन व्यवस्था हो एवं सगुचित पुस्तकालय तथा प्रयोगशाला उपलब्ध हो, जिसमें विषयों से संबंधित कम से कम ०३ (तीन) मानक (स्टैंडर्ड) जर्नल्स नियमित रूप से आते हों। विज्ञान विषयों में शोध संबंधी उपकरणों का होना आवश्यक है। शोध केन्द्र प्रमुख/प्राचार्यों को समस्त शोध छात्रों की उपस्थिति का विशेष ध्यान रखना होगा। हर छः माह में उसका उपस्थिति एवं प्रगति को प्रमाणित कर विश्वविद्यालय को भेजना होगा।
 - (२) जो संस्थान या शोध केन्द्र राष्ट्रीय स्तर के हैं उनकी मान्यता स्वयमेव मानी जावेगी। उन्हें अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। संबंधित विषय की शोध समिति का अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

	(86)
u , .	अभियांत्रिकी/चिकित्सा/आयुर्वेद महाविद्यालय के लिये समातकोत्तर अध्यापन का का का का क
٤	आदेवन प्राप्त होने पर सक्त महाविद्यालय/संस्था का निरीक्षण एक सक्षम समिति हो। । १ ०० - १० - १ - १ - १
	च्यय संबंधित महाविद्यालय/संस्था द्वारा वहन किया जावेगा ।
U .	निरीक्षण समिति में निम्न सदरुय होंगे -
	(अ) संकायाध्यक्ष (विषय से संबंधित)
	(ब) संबंधित विषय के अध्ययन बोर्ड का अध्यक्ष
	(स) एक विशेषञ्च जो कम से कम विश्वविद्यालय/महाविद्यालय आचार्य के पद से कम का उत्तर अंति का उन्हें
	ने मनोनीत किया हो ।
۷.	उक्त त्रिसदस्यीय समिति द्वारा आवेदित शोध केन्द्र का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जारक र
९.	समिति के प्रतिवेदन पर रांबंधित शोध उपाधि समिति की अनुशंसा प्राप्त की जावेगी।
90.	शोध समिति की अनुशंसा के पश्चात् मान्यता संबंधी प्रकरण पर कार्यपरिषद का अनुमोदन पाप्त कि मा माने कर्ता संबंधी
	कार्य परिषद मान्यता संबंधी अनुमोदन प्रदान कर देती है , तो संबंधित महाविद्यालय/संस्थान को थाव के का 👬 मह क्ष
	प्रदान कर दी जावेगी।
99.	मान्यता प्राप्त शोध केन्द्रों को यह अधिकार होगा कि वे शोध छात्रों से पी.एच.डी. अध्यादेश में वाल्पीकां का सम्बन
	एवं प्रायोगिक कार्य हेतु शुल्क वसूल कर सकें।
٩२.	मान्यता प्राप्त सभी केन्द्रों को शोध छात्रों को आवश्यक शोध सुविधायें प्रदान करनी होगी।
٩३.	किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर शोध के न्द्र की जांच कराई जा सकेगी, और शिकायत गरी गर्ध जा
	पर उसकी मान्यता को रद्द किया जा सकेगा ।
98.	प्रत्येक शोध केन्द्र का यह दायित्व होगा कि वह उसके यहां पंजीकृत छात्रों का विवरण प्रतिवर्ण विश्वविद्यान 🔠 🔠
	. उपलब्ध करायें ।
94.	पूर्व में जिन शोध केन्द्रों को विश्वविद्यालय ने मना कर लिया है उन पर भी यह विनिमय लागू होगा, किन्त् हुमाने 🏝
	अलग से आवेदन की आवश्यकता नहीं होगी ।
	शोध केन्द्र की मान्यता हेतु निर्धारित प्रपत्र
٩.	महाविद्यालय अथवा संस्था का नाम -

.....

٩.	महाविद्यालय अथवा संस्था का नाम -	•••••••
₹.	स्थापना तिथि -	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
З.	स्नातकोत्तर कक्षाओं का विवरण, यदि अध्यापन हो रहा है -	······································
8.	विषय, जिसके लिये मान्यता चाही गई है -	**********
	विषय -	*****************************
	आरंभ वर्ष -	********************************
ч.	उक्त विषय में अध्ययनरत छात्रों की संख्या -	••••••••••••
ξ.	नियमित प्राध्यापकों/अधिकारियों का विवरण-महाविद्यालय	••••••••••••••••••••••••••••••••••••••
	में मान्य निर्देशकों की संख्या- विषयों सहित	आचार्य + उपाचार्य + सहा० प्राध्यापक

संशोधित विनियम क्रमांक — 91

पं. रविशंकर विश्वविद्यालय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विनियम

सन्दर्भ :- अधिनियम की धारा 40 एवं परिनियम 31 भाग 2 अनुसूची 3

नाम:- पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदोन्नति विनियम।

कार्यक्षेत्र :- परिनियम 31 के भाग 2 अनुसूची 3 के प्रावधानों के अधीन रहते हुए विश्वविद्यालय के तृतीय

एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का नियुक्ति/पदोन्नति हेतु प्रवृत्त होगा।

प्रभावशीलता :-- म.प्र. विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 52 उपधारा 4 कंडिका 5 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुलपति के द्वारा स्वीकृत दिनांक 20-12-94 से प्रभावशील होगा।

विनियम :--

12114	-1 ·			
कम	नाम/पदनाम	पदोन्नति	नवीन भर्ती	मापदण्ड
1	** (अ) कक्ष अधिकारी	100%	·	1. अच्छा कार्य
				2. तीन वर्ष की
		: .		चरित्रावली में प्रतिकुल
				टिप्पणी न हो।
				3. अधीक्षक वरिष्ठ या
				समकक्ष पद में उवर्ष का कम
				से कम कार्य अनुभव
				4. स्थायी हो या स्थायीकरण
	•			के योग्य हो।
	(ब) वरिष्ठ अधीक्षक	100%		1. अच्छा कार्य
	कुलपति के निजी सहायक			*2. तीन वर्ष की
				चरित्रावली में प्रतिकुल
	•	•		टिप्पणी न हो।
	(स) कुलसचिव के निजी सहायक	100%	_	3. कनिष्ठ अधीक्षक या
				समकक्ष पद में उवर्ष का कम
				से कम कार्य अनुभव
				4. स्थायी हो या स्थायीकरण
				के योग्य हो।

कुलसचिव के गोपनीय सहायक 100% —

1. तथैव
2. किन्तु कुलसचिव,
विश्वविद्यालय कनिष्ठ
कर्मचारी की अस्थायी रुप से
अनुशंसा कर सकेंगे। जो
उनके कार्यकाल तक सीमित
होगा।

Made

10.	तकनीकी सहायक (सब ओव्हरसियर) निर्माण विभाग (यांत्रिकी शाखा)		100%	 तथैव स्वीकृत पद एवं रिक्त पद की स्थिति में न्यूनतम 3 वर्ष
1 1.	पुस्तकालय सहायक ग्रेड — 1	50%	50%	का अच्छा सेवा काल। 1. पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर हेतु।
				2. पदोन्नित हेतु पुस्तकालय सहायक ग्रेड—2 केटलागर में तीन वर्ष के अनुभव के साथ अच्छा कार्य चरित्रावली।
				•
12.	केटलागर पु.स. ग्रेड — 2		तथैव	पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा।
13.	उच्च श्रेणी लिपिक वर्ग - 2	100%	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1. अच्छा कार्य
	स्टोर कीपर वर्ग — 2 विभागीय लेखापाल विभागीय स्टोर कीपर	100%		1. जच्छा प्राय *2. तीन वर्ष की
		100 70	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
				चरित्रावली में प्रतिकुल
				टिप्पणी न हो।
				3. नि.श्रे.लि. / टंक लिपिक
				या समकक्ष पद में 3 वर्ष का
		•	•	कम से कम कार्य अनुभव
			•	4. स्थायी हो या स्थायीकरण
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		के योग्य हो।
		•		5. लेखा प्रशिक्षित को
4.4				वरीयता।
14.	निम्न श्रेणी लिपिक नेत्राम विकित्त (क्लोक्क के)	20%	80%	सीधी नियुक्ति हेतु।
	टंकण लिपिक (पदोन्नति से)		16%	अनुसूचित जाति ।
			20%	अनुसूचित जन जाति ।
	>		3%	विकलांग ।

नियुक्ति हेतु – 1. 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण। 2. हिन्दी/अंग्रेजी में टंकण परीक्षा उत्तीर्ण।

3. समय-समय पर प्रसारित मापदण्ड के अनुसार।

पदोन्नित हेतु— 1. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण हो।

- 2. भृत्य के नियमित पद पर पांच वर्ष की सेवायें पूर्ण कर चुका हो।
- कार्य व्यवहार चरित्रावली उत्तम हो।
- हिन्दी अथवा अंग्रेजी टंकण परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका हो।
- वरिष्ठता योग्यता के आधार पर इस वर्ग के कर्मचारी को बिना टंकण परीक्षा उत्तीर्ण किये पदोन्नित किया जा सकेगा किन्तु एक वर्ष के अन्दर टंकण परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा अन्यथा वे अपने पूर्व पद में प्रत्यावर्तित हो जायेंगे।



**15— विश्वविद्यालय कर्मचारियों / अधिकारियों को समयमान वेतनमान की पात्रता

राज्य शासन के नियमानुसार विश्वविद्यालय के कर्मचारियों / अधिकारियों को राज्य शासन द्वारा घोषित समयमान वेतन मान की पात्रता होगी।

टीप :- 1. जिन पदों हेतु शैक्षणिक अर्हताऐं अंकित है समय-समय पर शासन द्वारा नवीन नियम होने पर उसके अनुरूप मान्य होगी। इसी प्रकार अन्य पद जिसमें योग्यतायें न अंकित हो शासन द्वारा समय-समय पर निर्धारित योग्यतायें मान्य होगी।

2. विभागीय पदोन्नत समिति –

- (1) विभागीय पदोन्नति हेतु एक समिति होगी जिसका गठन निम्नांकित अनुसार होगा —
- 1. वरिष्टता उप कुलसचिव अध्यक्ष
- 2. वित्ताधिकारी सदस्य
- 3. वरिष्ठतम सहायक कुलसचिव सदस्य

किन्तु यदि वरिष्ठतम उप—कुलसचिव सहायक कुलसचिव प्रशासन विभाग में पदस्थ हो तो इनके बाद जो उप—कुलसचिव/सहायक कुलसचिव वरिष्ठ हो पदोन्नित पदस्थ हो तो इनके बाद जो उप सिमिति के अध्यक्ष/सदस्य होगें अथवा कुलपित जो जिन्हें इस हेतु नामांकित करें।

- (2) उपकुलसचिव/सहायक कुलसचिव प्रशासन प्रस्तुतकर्ता अधिकारी होगें जो समिति के समक्ष पदोन्नति योग्य समस्त प्रकरणों को विचार से प्रस्तुत करेंगे।
- (3) समिति परनियम 31 के खण्ड दो के नियम 4 के अनुसार प्रकरण पर समीक्षा कर अपना प्रतिवेदन देंगे।
- (4) सिनित की बैठक परिनियम 31 4(2—ब) के अनुसार प्रत्येक वर्ष सितम्बर/अक्टुबर माह में आहूत की जावेगी किन्तु आवश्यकता होने पर इसके अतिरिक्त अन्य समय में आवश्यक बैठक बुलाई जा सकेगी।
- (5) सिमिति अपना प्रतिवेदन बन्द लिफाफे में कुलसचिव के विचारार्थ प्रस्तुत करेंगी।
- 3. विश्वविद्यालय के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की वरिष्ठता का मूल आधार म प्र. सिविल सेवा? की सामान्य शर्ते) नियम 19—1 होगा व्यवस्था एवं कार्य संचालन हेतु निम्नांकित नियम प्रवर्तित होगें :—

(क) सीधी भर्ती :--

- (1) सीधी भर्ती किये गये कर्मचारी जो परिवीक्षा पर नियुक्त किये गये हो उनकी परिवीक्षा अविध नियुक्ति तिथि से मानी जावेगी। किन्तु यदि परिवीक्षाधीन कई कर्मचारियों की एक साथ नियुक्ति की गई हो उनकी आपस में वरिष्ठता चुनाव हेतु गठित समिति द्वारा अनुशांसित गुणानुकम के अनुसार होगी। बशर्ते आदेश एक साथ प्रसारित किये गये हों।
- (2) नियुक्ति किये गये कर्मचारियों की वरिष्ठता उनकी परिवीक्षा की समाप्ति पर गुणानुकम के अनुसार स्थायीकरण में बरकरार रखी जायेंगी। किन्तु यदि एक साथ नियुक्ति परिवीक्षाधी कर्मचारी में से किसी के परिवीक्षा अविध में वृद्धि की जाती है तथा उसका स्थायीकरण दो वर्ष के बाद की तिथि को होता है। उसकी वरिष्ठता का निर्धारण आदेश देने वाले प्राधिकारी के विवेकाधिन होगा। वह चाहे तो बाद में स्थायीकरण की तिथि से वरिष्ठता दे अथवा सामान्य परिवीक्षा अविध की समाप्ति की तिथि से।



उपर्युक्त नियमों को विश्वविद्यालय में लागू किये जाने की तिथि के पूर्व किन्ही अन्य नियमों अथवा आदेशों के तहत यदि कोई विश्वता निर्धारित या निर्णित की जा चुकी है वह इस नियमों से प्रभावित नहीं होगी।

(4) आचरण नियम :--

म.प्र. विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के परिनियम 31 खण्ड 6 में वर्णित आचरण नियम विश्वविद्यालय कर्मचारियों पर लागू है किन्तु इसमें वर्णित प्रावधान अत्यन्त संक्षिप्त है। अतः विश्वविद्यालय कर्मचारियों के प्रकरणों के निपटारा हेतु म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 की समस्त धाराएं 1 से 26 तथा समय—समय पर उनमें सुधार लागू होगे।

(आधार म.प्र. सिविल सेवा) (आचरण नियम 1965)

(5) गोपनीय प्रतिवेदन :--

विश्वविद्यालय कर्मचारियों के गोपनीय प्रतिवेदन का लेखन एवं उनकी प्रक्रिया तथा टीकायें सामान्य पुस्तक परिपन्न खण्ड एक में निहित प्रावधानों के अनुसार तथा समय—समय पर शासन द्वारा उनके लिये किये गये सुधारों के अनुरूप लागू होगी।

(6) विशेष उपबन्ध :--

नियमों की निर्मित करते समय यह प्रश्न उपस्थित हुआ कि उच्च श्रेणी लिपिक वर्ग एवं स्टेनोग्राफर एक ही वेतनमान में हैं। दोनों ही पद लिपिक वर्गीय है। ? भी समान है अतः इनकी आपस में वरिष्ठता किस रूप में निर्धारित की जाए जिससे दोनों वर्गों के कर्मचारियों को समान लाभ मिल सके जिस हेतु निम्नांकित उपबंध लागू होंगे :--

- स्टेनों एवं उच्च श्रेणी लिपिक वर्ग 1 की विष्ठता सूची एकीकृत रखी जाय।
 (समन्वय समिति ने रींवा विश्वविद्यालय के प्रकरण में इसे अपनी स्वीकृति)
- 2. स्टेनों के स्वीकृत तीन पदों को कमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी में विभक्त।
- 3. कमानुसार शासन की नीति के अनुसार उन्हें पांच वर्ष की सेवा पूर्ण होने विरष्ट / प्रवर श्रेणी वेतनमान की पात्रता होगी। किन्तु कनिष्ट / विरष्ट की विरष्टता सूची में उनका नाम तभी सिम्मिलित किया जावेगा जब वर्णित विरष्टता सूची के कम पर पहुंच जायें।

टीप :- ** बिन्दु कमांक 1 (अ) एवं बिन्दु कमांक 15 विश्वविद्यालय विनियम 91 में नया जोड़ा गया।

* बिन्दु कंमांक 1 (ब) का 2, कंमांक 3 का 2, कमांक 6 का 2 एवं कमांक 13 का 2 संशोधित किया गया।(उत्कृष्ट चरित्रावली के स्थान पर— तीन वर्ष की चरित्रावली में प्रतिकूल टिप्पणी न हो।) विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक दिनांक 18.05.2010 में पूरक सूची पद कमांक 8 पर हुए निर्णय अनुसार।

कार्यपरिषद के आदेशानुसार,

रोयपुर, दिनांक *09/07/*2010

Oly of

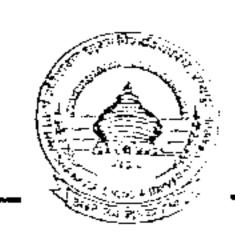
पृ.क. 3185/सा.प्रशा./2010 प्रतिलिपि.

1. महामहिम राज्यपाल के सचिव, छ.ग. राजभवन, रायपुर

2. उपकुलसचिव, अकादिमक विभाग,

कुलपित के. सचिव / कुलसिवव के निजी सहायक,
 पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही, हेतु अग्रेषित।

विशेषं कर्तव्यस्थ अधिकारी (प्रशा.)



क्रमांक : 💯 🖰 🗸 अका. / 2013

रायपुर, दिनांक : 4 /05/2013

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 17.04.2013 के कार्यवृत्त (विषय क्रमांक 14 में Revised Regulation No. 107, [Recognition of the Research Centers]) कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 23.04.2013 के विषय सूची क्रमांक 4 में अनुमोदन हुआ है, जो निम्नांकित है –

Revised Regulation No. 107 (E.C. Under 23-04-2013) [Recognition of the Research Centers]

The regulation is meant for the recognition of the research centre. The Institution/College who desires to have a research centre should essentially fulfill the following criteria:

1. The Principal of the affiliated College or the Head of the institution have to apply in the prescribed format to the University for the Recognition of a research centre in the concerned subject.

2. The application for the recognition of a research center can be made round the year with an affiliation fee prescribed by the University from time to time. The annual fee for the research centre will be levied as specified by the University.

Only Colleges qualifying the following criteria can apply for recognition of a research centre in a subject:

a. The College is accredited by the National Assessment and Accredited Council (NAAC). The existing Colleges with research Centers should get NAAC accreditation in order to continue the research centre in the subjects.

b. The College is running the Post Graduate course in the subject since last 5 years and has acquired permanent affiliation from the University.

c. The faculty strength in the subject in which recognition is sought is not less than five with at least one Professor and a minimum of two faculty possessing Ph. D. degree in the concerned subject.

d. The College has a well equipped library and adequate number of books in the subject for research and with subscription of five Indian and at least two International Journals (with ISSN number) in the concerned subject since last three years.

e. In case of research centre in the science subject, an adequate space in the form of laboratory is mandatory. The Laboratory should be well equipped with all basic research instruments in working order. Besides, it should also have specific research equipments.

f. A minimum of three computer sets with internet facility in the department is essential for the research students.

g. The Principal/ Institutional Head of the recognized research centre will maintain a proper record of the attendance of all the research scholars registered at the centre and would authenticate and forward the same regularly with six monthly progress report to the University.

Nationally recognized Institutions will not be required to apply separately for recognition for a research centre. They need to have a formal approval from the Research Degree Committee of the concerned subject of the University by making a formal request.

- 11. Total Faculty members/ Officers in the College:
- 12. Number of Recognized Guide in the College subject-wise: (Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor)
- 13. Name of Recognized Guide in the subject where recognition is requested: (Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor)
- 14. Library facility (Append list of Books/ Journals):
- 15. Number of Books/ Journals in the concerned Subject (Append list):
- 16. Laboratory facility (Number/ Area):
- 17. List of Equipment in the Laboratory:
- 18. Computer/Internet facility:
- 19. Details of Recognition Fees Paid:
- 20. Any other Relevant Information:

Based on the above information, we apply for recognition of research Centre in and assures the University that in case the recognition is granted to the College, we will abide by the rules and regulations as laid by the University.

Signature of the Principal/ Head/ Director

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ. क्रमांक : 10391 / अका. / 2013

रायपुर, दिनांक :

705/2013

प्रतिलिपि :

01 आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, शास. विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर

02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला,

03. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,

04. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

05. स.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / वि.क.अ. विकास / प्रभारी अधिकारी सामान्य प्रशासन,

06. कुलपित के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

Twenty orthograph (orthograph

272

REGULATION NO. 109

(IC 26-3-2002)

Late Shri KISHOR RAO SAHEB DESHMUKH MEMORIAL GOLD MEDAL

్ కొల్ల దివారా మీది కోడిని దివారా చిక్కా కోడిని కూడాకుకేందిన కాటు కోటింది దెనాటుడుందింది. ద్యా కాట్లు మీది మీది కోజుకు కాట్లు కూడికోంది (కొంకుకులకు కాటకు కోజుకులో చేశాడి కోటింది కోటింది. Political Strate.

DONOR

.. SMT. KAMAL RAO SAHEB DESHMUKH SAI NAGAR, JAIL ROAD RAIPUR (C.G.)

VALUE OF ENDOUMENT AWARD

Rs. 25,000/-(Rs. Twenty Five Thousand only) ONE GOLD MEDAL.

- The endowment shall be called "Late Shri Kishor Rao Saheb Deshmukh "Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- 2/ The net income accruing from the endowment every year shall be utilized for the award of a "Gold Medal" at the Annual Convocation of the University to the examinees, who secures the Highest Marks in the University amongst the examinees placed in the "First Division in POLITICAL SCIENCE" MARKET Examination of the year.
- 3/ In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provision of para-2, each of them shall be awarded " Gold Medal."
- 4/ The "Gold Medal" shall be awarded to the candidate(s) from the year 2003, every year regularly.

Pt.Ravishankar Shukla University Raipur (CG) Endt. No. 3.330/Acad/2002, Raipur, dated the 2.3 Supt 2002.

Copy for information, and necessary action forwarded to-

The Donor,

All the Sections of the University

Secretary to Kulpati/P.A. to Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

REGISTRAR

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

Regulation No. 110:

Rules and regulations for management of courses run under Self Financing
Scheme

1. ADMINISTRATIVE COUNCIL:

There shall be an Administrative Council Consisting of --

- (i) Vice Chancellor (Chairman)
- (ii) Registrar
- (iii) Professor-in-Charge and or Head/ Director/ Coordinator of the Programme Monber Secretary
- (iv) Professor-in-Charge of any other Self-Financing Scheme Course.

All administrative matters concerning the programme shall be considered by the Administrative Council and decisions taken on routine matters shall be implemented by the Professor-in-Charge/ Head/ Director/ Coordinator. Any modification on policy matters requires approval of the Executive Council before its implementation.

INTER ALIA: The Administrative Council shall have the following powers and duties:

- (a) Make periodical review of the activities of the programme and if necessary, make suitable recommendations to the Executive Council.
- (b) Creation of part time teaching and ministerial posts and fix the remuneration payable to them.
- (c) Consideration and approval of the annual Budget, accounts, etc.
- (d) Re-appropriation of funds from one head of account to another within the same grant, after taking approval from the Vice Chancellor.
- (e) Fix various fees recoverable from the students.
- (f) On the recommendation of Professor-in-Charge the services of a part time accountant shall be created, if need be.

The Administrative Council shall meet once in four months and at least two meetings shall be held in a Calendar Year.

FINANCE COMMITTEE:

There shall be a finance committee consisting of following members:

- (i) Professor-in-Charge and or Head/ Director/ Coordinator Chairman
- (ii) One member nominated by the Vice-Chancellor not below the rank of Reader
- (iii) Finance Officer
- (iv) One senior member from the SOS/ Institute.

FUNCTIONS OF THE COMMITTEE:

(a) To prepare the annual budget of the programme for onward submission to the Administrative Council. Administrative Council will send it to the Executive Council for Approval.

•

- (b) To consider annual audited accounts and forward the same to the Administrative Council and finally report to the appropriate body of the University.
- (c) To ensure maintenance of proper accounts and regulate expenditure as per financial rules and procedures of the University.

(d) Investment of surplus funds.

- (e) Give final sanction for expenditure on proposals within its financial powers or make recommendations to the competent authority if it is beyond its power.
- (f) Give its view and make recommendations on any proposal of the Professor-in-Charge on any financial question affecting the programme.
- (g) To do all such other things incidental or conducive to the attainment of all or any of the objectives of the programme.

The committee shall meet as occasion demands and three members will form the quorum.

- FUNCTIONS OF THE PROFESSOR-IN-CHARGE/ HEAD/ DIRECTOR/ COORDINATOR
 - (a) The Professor-in-Charge/ Head/ Director/ Coordinator shall be the academic and Executive Officer of the Programme and shall be responsible for the proper administration of the programme and for imparting of instructions and maintenance of discipline and shall perform such other duties as may be delegated to him by the Administrative Council and Vice-Chancellor of the University.
 - (b) He shall be responsible for the safe custody of the funds and while incurring expenditure shall ensure observance of financial norms and limitations.
 - (c) He shall maintain proper account and other relevant records and shall be responsible for preparation of annual accounts and balance sheet and certification by audit.
 - (d) He shall prepare annual budget estimates and submit the same to the Finance Committee/ Administrative Council for approval.
 - (e) He shall prepare annual progress report of the programme and present the same to the proper authorities for consideration and adoption.
 - (f) He shall have the power to issue appointment orders to the posts of part time lecturers and other ministerial staff after obtaining approval of the Vice-Chamellor.
 - (g) He shall exercise all such financial powers as may be delegated to him by Vice-Chancelloi.

4. FUNDS

- (a) Il income from self-financing courses shall be deposited in the Bank in the account opened for the purpose in the name of S.O.S. Out of income of self-financing course; the S.O.S. shall be empowered to spend up to 80% of the income. 20% share of the University and the saving out of 80% shall be kept in F.D. in SOS. The University may utilize this fund for development of the SOS.
- (b) The controlling officer for self financing courses shall be Director or Head of the Institute/ School of Studies concerned or a course coordinator assigned for this job by the Director or Head (hereinafter words referred as H.O.D.) with prior sanction of the competent authority.
- (c) (i) A separate account will be maintained by the Institute or the School concerned for all self-financing courses.
 - (ii) A separate Bank account will be opened by the Institute/ School, in the name of the Institute with power of withdrawals or closing by the H.O.D. or coordinator as directed by the Registrar. For a cheque up to Rs. 5000=00 the signature of the Course Coordinator/ Head or Director will suffice. For cheques of higher amount, two signatures will be necessary for withdrawals, the Head/ the Director or the Coordinator and the Registrar.

5. UTILIZATION OF FUND & MAINTENANCE OF ACCOUNTS

For purchase of an item, the Financial Regulation 108 shall apply. The exercise of financial powers will be as per financial regulation 108. The account of self-financing courses shall be maintained by SOS under the following heads.

	Income Clarification Amount	-	Expenditure Clarification Amount
I.	RECURRING		RECURRING
1.	(a) Income from Forms and	1.	Pay and allowance and honorariums
	Prospectus Fees.		to part time staff and engaged visiting faculty
	(b) Entrance Test Fees.	2.	Contingent expenses like:
2	(a) Caution Money/ other deposits like security.	(i)	Kit, bag, Teaching Material including consumables.
	(b) Capital Fees:	(ii)	Printing and Stationery, Xeroxing
3	 (a) Tuition Fees. (b) Teaching materials fee course and book disbursement fees. (c) Library Fees. (d) Cultural Fees. 	(iii) (iv) (v) (vi)	Transport, field work, TA, DA, field coolie, labour, accommodation charges during field work Medals and Prizes Advertisement Hospitality charges

Man Jore

- (e) Visiting faculty fees.
- Miscellaneous expenditure (vn)
- (f) Development fees.
- Maintenance of vehicle (POL, (viii) Repairs)
- (g) Computer media and laboratory use fees.
- (h) University composite fees.
- Miscellaneous Fees.
- NON RECURRING:
- NON RECURRING:
- Income from consultancy charges, etc.
- (a) Building
- Income from sale of equipment,
- (b) Equipment
- furniture, software, stock, etc.
- Books
- (a) Sponsorship charges. (b) Donation
- Furniture
- Vehicle
- Payment against consultancies
- Contribution to University.

- (6) For the self-financing courses the following books and registers shall be maintained separately by the H.O.D.:
- Receipt Books (A)
 - Fees Register to keep record of all Income from fees.
 - Other than fees income Register. (iv)
- Advance Register. (B) (i)
 - Faculty Remuneration payment register. (11)
 - Consumable items Stock Register. (iii)
 - Register for payments to supporting and supervisory staff. (iv)
 - Dead stock (non-consumable items) Register. (\mathbf{v})
 - Security Deposit Register (vi)
 - Caution Money Register (vii)
 - Cash Book (viii)
 - Ledger (ix)
 - Imprest Cash Book. (\mathbf{x})
- All vouchers should be kept in a guard file. Class attendance Register will be 7, maintained for verification of visiting faculty payments and the courses taught the detailed titles or syllabus will be maintained for assessment from a single source of the overall features or activities of the different courses of self financing courses undertaken by the SOS in the various academic years.
- All income form refundable deposits shall be kept in the Department and a separate 8. account will be maintained for the purpose. The Head of the Department shall be the competent authority to refund such deposits.



9. REMUNERATION FOR VARIOUS ITEMS OF WORK:

The scale of remuneration to visiting / Guest Faculty, part time lecturers, paper setters/ examiners, and for miscellaneous items shall be as mentioned below:

- (i) In case there is shortage of regular faculty, the teachers may be appointed on contract basis for a salary of Rs. 8000=00 per month. Such teachers will be full time teachers
- (ii) The shortage of regular faculty may be met with the arrangement of guest lecturers. The guest faculty will be of the following categories.
 - (a) Part time guest faculty: Teachers of University or Colleges may be invited as part time faculty. The ceiling of the Honorarium to such teachers will be Rs. 3000=00 per month. However, the Honorarium for guest faculty teachers will be Rs. 100=00 per period (as per existing University/ UGC norms) alongwith Rs. 25=00 as conveyance allowance.
 - (b) Full time guest faculty- ceiling of Honorarium will be Rs. 5000=00 per month.
- (iii)Special Lecturers: Eminent personalities may be invited from time to time to deliver special lectures for which an honorarium of Rs. 200=00 per hr. with aximum of Rs. 400=00 a day may be paid.
- (iv)Honorarium for Director/ Coordinator/ Head- Rs. 1200=00 per month with telephone facility/ telephone allowance.
- (v) For Class III & Class IV employee (In case of additional work)- 6.25% of the Basic salary or as per the University rules.
- (vi)Appointment of casual laborer, Remuneration for work concerning examinations etc. as per the University rules.

10. Audit:

Annual statement of income and expenditure of each financial year shall be audited by the Director, Local Fund Accounts or by a chartered accountant selected from a panel of CA's approved by the Executive Council.

(E.C. Dt. 15.01.2004)

DR. G.K. TIWARI MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Justice Shri S.K. Tiwari

Raipur (C.G.)

Value of Endowment

Rs. 30,000=00

Award

.

One Gold Medal

- The Endowment shall be called Late Dr. Gopal Krishana Tiwari Memorial Gold Medal and it shall be inscribed one side of the Medal.
- One Gold Medal shall be awarded to the student who have got first position in the merit in M.Sc.-Electronics subject.
- The Gold Medal shall be made from the yearly interest of the endowment amount of Rs. 30,000=00 (Rs. Thirty Thousand only) deposited by doner in FDR.

PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

Endt. No. 7 29 /Acad./2005

Raipur, Dated 65 — March, 2005

Copy for Information & necessary action forwarded to :-

- The Doner,
- 2. All Sections of the University,
- Secretary to Kulpati/ P.A. to Registrar,

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur

(K.K. Chandrakar)

Chandrakar)

Chandrakar



क्र. 31%C /अका./2011

रायपुर, दिनांकः <ि // / 03 / 2011

।। अधिसूचना।।

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनाँक 24.02.2011 में पद क्रमांक 7 पर विनियम क्रमांक 112 (2004) के रिवीजन करने की अनुशंसा की गई जिसे विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनाँक 26.02.2011 में अनुमोदन किया गया। संशोधित विनियम निम्नांकित है:-

Revised Regulation-112

(EC dated 26.02.2011)

- The Gold Medal shall be known as Pt. Ravishankar Shukla University Gold Medal 01. effective from the Semester (2010)/Annual Examination (2004)
- The University will award Gold Medal to the examinees at the annual convocation or 02. the date fixed by the EC securing the First Position out of the examinees passed in the first division in the Subject/Classes in which the provision of Gold Medal does not exist in this Regulation, Provided that the moment any donor institutes the Gold Medal in the Subject/Class concerned, the Pt. Ravishankar Shukla University Gold Medal will automatically be transferred in his/her name.
- 03. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of Para 2, all the examinees shall be awarded with the Medal of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

कुलसचिव

रायपुर, दिनांकः २१/०३/2011

पु. क्र. 3181 /अका./2011

प्रतिलिपि :

- प्राचार्य, संबंधित समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय को, 01.
- 02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला,
- समस्त विभाग प्रमुख, उप कुलसचिव, परीक्षा/ गोपनीय / विकास, प्रशासन, वित्त नियंत्रक,

कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,) 04.

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)

(E.C. Date 28-01-2005)

DR. B.R. VERMA MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Smt. Heman Verma

C/o. Dr. K. L. Verma

Kanchenjunga-II

Behind Pt.Ravishankar Shukla University

Raipur (C.G.)

Value of Endowment:

Rs. 30,000/- (Rs. Thirty thousand only)

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called Dr. B.R. Verma Memorial Gold Medal and it shall be in inscribed on one side of the Gold Medal.
- The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation or the date fixed by the E.C. to the examinee securing highest marks in M.Sc. Botany Examination of the University in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the Medal.

PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

Endt. No. 729 /Acad./2005

Raipur, Dated o 5 - March, 2005

Copy for Information & necessary action forwarded to :-

1. The Doner,

A Acres of Fry dilling being distribute

- 2. All Sections of the University,
- Secretary to Kulpati/ P.A. to Registrar,

 Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur.

(K.K. Chandrakar)

Registrar

(E.C. Date 28-01-2005)

SHRI JAGANNATH PRASAD SHARMA MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Dr. B.K. Sharma

H.O.D. - Mathematics Deptt.

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur

Value of Endowment:

Rs. 30,000/- (Rs. Thirty thousand only)

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called Late Shri Jagannath Prasad Sharma Memorial Gold Medal and it shall be inscribed on one side of the Gold Medal.
- The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of a Gold Medal at the annual convocation of the University or the date fixed by the E.C. to the examinee who secures the highest marks at the M.B.A.(first to final year) main Examination of the University, in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the Medal.

PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

Endt. No. 7-29 /Acad./2005

Raipur, Dated 05 -March, 2005

Copy for Information & necessary action forwarded to :-

1. The Doner,

or the second proportion of the polythesis.

- 2 All Sections of the University,
- 3. Secretary to Kulpati/ P.A. to Registrar,

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur.

(K.K. Chandrakar)

SL-Registrar

(E.C. Date 28-01-2005)

LATE SHRI CHANDRABHAN SHARMA MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Smt. Manorama Sharma

W/o. Late Shri Chandrabhan Sharma

H.No. 54/1561,

In front of Vivekananda English School

Shanti Vihar Colony, Dangania

Raipur (C.G.)

Value of Endowment:

Rs. 30,000/- (Rs. Thirty thousand only)

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called Late Shri Chandrabhan Sharma Memorial Gold Medal and it shall be in inscribed on one side of the Gold Medal.
- The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation or the date fixed by the E.C. to the examinee securing highest marks in M.C.A. Examination of the University in the first attempt.
 - In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the Medal.

PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

Endt. No. 729 /Acad./2005

Raipur, Dated 6 5- March, 2005

Copy for Information & necessary action forwarded to :-

1 The Doner,

a life a real palpolitics for legislation 6.

- 2 All Sections of the University,
- 3. Secretary to Kulpati/ P.A. to Registrar,

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur.

K.K. Chandrakar) SL Registrar

(E.C. Date 28-01-2005)

LATE SMT. YASHODA SHARMA MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Shri Shiv Prasad Sharma

Advocate & Ex-M.L.A. (Pamgarh)

Ashirwad Bhawan, In front of District Court

Janjgir (C.G.)

Value of Endowment:

Rs. 30,000/- (Rs. Thirty thousand only)

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called Late Smt. Yashoda Sharma Memorial Gold Medal and it shall be in inscribed on one side of the Gold Medal.
- The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation or the date fixed by the E.C. to the examinee securing highest marks in Bachelor of Pharmacy Examination of the University in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the Medal.

PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

Endt. No. 729 /Acad./2005

Raipur, Dated 65-March, 2005

Copy for Information & necessary action forwarded to :-

1. The Doner,

it of the earlier is in Landau Legisland. •

- 2 All Sections of the University,
- 3 Secretary to Kulpati/ P.A. to Registrar,

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur.

Caula (K.K. Chandrakar) CARegistrar

(E.C. Date 14-03-2005)

SETH PYARELAL AGRAWAL MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Shri B.L. AGRAWAL

Mayur Bhawan

New Timber Market, Fafadih

Raipur (C.G.)

Value of Endowment:

Rs. 50,000/- (Rs. Fifty thousand only)

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called Seth Pyarelala Agrawal Memorial Gold Medal and it shall be in inscribed on one side of the Gold Medal.
- 2. The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation or the date fixed by the E.C. to the examinee securing highest marks in LL.B. Examination of the University in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the Medal.

PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

Endt. No. 729 /Acad./2005

Raipur, Dated 05 March, 2005

Copy for Information & necessary action forwarded to :-

1. The Doner,

- 2. All Sections of the University,
- 3. Secretary to Kulpati/ P.A. to Registrar,

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur

(K.K. Chandrakar)
Registrar

Cew 3.62

(17/kaononje/karya prisha (1491)



दूरभाष : 0771-2262112 (अकादिमक विभाग), 0771-2262540 (कुलसचिव कार्यालय)

कमांक : ५८९७/अका./2006

रायपुर, दिनांक : 2 5 / 04 / 2006

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 25.03.2006 में दानदाता श्री ह्बलाल पाण्डेय, ° रोहिणीपुरम्, रायपुर (छ.ग.) द्वारा उनकी माता श्रीमती खेलबाई गेंदराम पाण्डेय की स्मृति में स्वर्णपदक की स्थापना से संबंधित विनियम 118 को अनुमोदित किया गया है । यह स्वर्णपदक सत्र 2005-06 से एम.बी.ए. की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वर्णपदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा । विनियम क्रमांक 118 की स्थापना निम्नानुसार की गई है :-

Regulation No. 118 (E.C. Date 25-03-2006)

Smt. Khel Bai Gend Ram Pandey Memorial Gold Medal

Doner

Shri Hub Lal Pandey

C - 316/A, Rohinipuram, Raipur (C.G.)

Value of Endowment

Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only)

Award

One Gold Medal

- 1 The Endowment shall be called Smt. Khel Bai Gend Ram Pandey Memorial Gold Medal and it shall be inscribed on one side of the Gold Medal.
- The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation or the date fixed by the Executive Council to the examinee securing highest aggregate marks in M.B.A. examination of the University in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinee being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the medal.

कार्यपरिषद के आदेशानुसार,

दानदाता को ।

प्राचार्य, संबंधित समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों को ।

विभागाध्यक्ष, प्रबंध संस्थान, 3,

समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन, 4.

उपकुलसचिव (परीक्षा) / विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (गोपनीय / विकास / सामान्य प्रशासन), 5.

कुलपति के सचिव/ कुलसचिव के निजी सहायक, 6.

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु ।

उप कुलसचिव (अका.)

-FrAMIGGA:AERMANANDOC/48



दूरभाषः 0771–2262112 (अकादिभक विभाग), 0771–2262540 (कुलसचिव कार्यालय)

/ अका. / 2006

रायपुर, दिनांक 💸 🖵 / 06 / 2006

॥ अधिसूचना ॥

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 13.06.2006 में दानदाता मिस मीरा राव, आत्मजा स्व. श्री डी. नरसिंह राव, शंकर नगर, रायपुर के द्वारा उनकी बहिन मिस आशा राव की स्मृति में स्वर्णपदक की स्थापना से संबंधित विनियम 119 को अनुमोदित किया गया है । यह स्वर्णपदक सत्र 2006—07 से एम.ए. अर्थशास्त्र की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वर्णपदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा । विनियम क्रमांक 119 की स्थापना निम्नानुसार की गई है :-

> Regulation No. 119 (E.C. Date 13-06-2006)

Miss Asha Rao Memorial Gold Medal

Doner

Miss Meera Rao D/o. Late Shri D. Narsingh Rao Dr. Vijay Laxmi Singh Gali, T.V. Tower Road Shankar Nagar, Raipur (C.G.)

Value of Endowment

Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only)

Award Award Award Award Award One Gold Medal Award State Salar Award State Salar State Sta

- The Endowment shall be called Miss Asha Rao Memorial Gold Medal and it shall be 1. inscribed on one side of the Gold Medal.
- 2. The Net Income accuring from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation or the date fixed by the Executive Council to the examinee securing highest aggregate marks in M.A.(Economics) examination of the University in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinee being eligible for the award under the provision of para 2, such an examinee who is younger or youngest in the age shall be awarded the medal.

कार्यपरिषद के आदेशानुसार,

कुलसाचव

रायपुर, दिनांक : २ ७८/ २००६

- दानदाता को
- प्राचार्य, संबंधित रागरत सम्बद्ध महाविद्यालयों को ।
- विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र अध्ययन शाला, 3.
- रामरत विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,
- उपकुलराचिव (परीक्षा) / विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (गोपनीय / विकास / सामान्य प्रशासन),
- कुलपति के सचिव/ कुलसचिव के निजी सहायक, पं रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु



दूरभाष : 0771—2262802 (अकादिभक), 0771—2262540 (कुलसचिव), फैक्स-0771—2262818, 2262607

कमांक . 566 / अका. / 2007

रायपुर, दिनांक ; 3_1 / 08 / 2007

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय के अधिसूचना कमांक 305/अका./2007, दिनांक 07.08.2007 में आंशिक संशोधन करते हुए निम्नानुसार अधिसूचित किया जाता है :--

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 26.06.2007 में दानदाता डॉ.(श्रीमती) सुलभा जलतारे, भिलाई नगर के द्वारा डॉ. वी.जी. वैद्य के स्मृति में स्वर्णपदक की स्थापना से संबंधित विनियम 120 को अनुमोदित किया गया है । यह स्वर्णपदक सत्र 2007-08 से विश्वविद्यालय अध्ययनशाला के एम.एस-सी. (अंतिम)-रसायन की परीक्षा, प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वर्णपदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 120 की स्थापना निम्नानुसार की गई है :--

> Regulation No. 120 (E.C. Dt. 26-06-2007)

Dr. V.G. VAIDYA GOLD MEDAL

Doner

Dr. (Mrs.) Sulabha Jaltare Qtr. 6A, St-16, Sector-10, Bhilai Nagar, Distt. Durg (C.G.) Tel. 0788-2356567, Cel. 98266-66567

Value of Endowment

Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only)

One Gold Medal

- 1. The Endowment shall be called "Dr. V.G. Vaidya Memorial Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Gold Medal.
- 2. The Net Income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the examinee securing Top Position in the subject of M.Sc.(Final) Chemistry Examination of the U.T.D., Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under provision of para 2, one who is younger or youngest in age shall be awarded gold medal.

कार्यपरिषद के आदेशानुसार,

पृ. कमांक : 567 / अका. / 2007 प्रतिलिपि :-

रायपुर, दिनांक : 31/08/2007

दानदाता को ।

विभागाध्यक्ष, रसायन अध्ययन शाला,

समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

उपकुलसचिव (परीक्षा / सा.प्रशा.) / विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (गोपनीय / विकास),

कुलपति के राचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु 🔻

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (अका.)



दूरभाष: 0771-2262802 (अकादिमक), 0771-2262540 (कुलसचिव), फैक्स-0771-2262818, 2262607

क्रमांक: 6124 अका. / 2009

रायपुर, दिनांकः 25/05/2009

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक, दिनांक 05.05.2009 में दानदाता श्रीमती सरला शुक्ला, डुंगाजी कॉलोनी, रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा उनके पति स्व. डॉ. मुरारी लाल शुक्ला के स्मृति में स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम 121 को अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2008—2009 से बी.ए. अंतिम की परीक्षा में प्रथम प्रयास, प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर अर्थशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वर्णपदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 121 की स्थापना निम्नानुसार की गई है :--

Regulation No. 121 (E.C. Dt. - 05-05-2009)

LATE. DR. MURARI LAL SHUKLA MEMORIAL GOLD MEDAL

Doner

Mrs. Sarala Shukla

10-Dungaji Colony, Raipur (C.G.)

Tel. 0771-2263718

Value of Endowment Award Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only)

One Gold Medal

1. The Endowment shall be called "Late. Dr. Murari Lal Shukla Memorial Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Gold Medal.

- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the examinee securing highest aggregate marks scored in the papers of Economics in B.A. among all colleges in the Jurisdiction of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided the toppers aggregate in B.A. (Final) is not less than 60% in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under provision of para 2, one who is younger or youngest in age shall be awarded gold medal.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसा,

1-1-

क लग्ने चित

पृ. क्रमांक : / अका. / 200

रायपुर, दिनांकः 25/05/2009

प्रतिलिपि :

- 1. श्रीमती सरला शुक्ला, 10—डुंगाजी कॉलोनी, रायपुर छत्तीसगढ़।
- 2. प्राचार्य, संबंधित समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों को।
- 3. विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र अध्ययन शाला,
- समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,
- 5. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी परीक्षा/गोपनीय/विकास/सामान्य प्रशासन,
- कुलपित के सचिव / कुलसिवव के निजी सहायक,
 पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

विशेष कतेव्यस्थ अधिकारी (अका.)

6180r

विनियम कमांक 122 कार्यपरिषद दिनांक-11-09-2009 पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर शैक्षणिक पदों पर संविदा नियुक्ति विनियम 2009

विश्वविद्यालय की राय में यह आवश्यक हो गया है कि-

- 1. विश्वविद्यालय के शिक्षकीय प्रवर्ग में , कतिपय रिक्तियां अल्प समय के लिए भरी जावें ।
- 2. अतः विश्वविद्यालय के शिक्षकीय संवर्ग को संविदा के आधार पर विनिर्दिष्ट कालविध के लिए नियुक्त किया जावें।
- 3. अतएव भारत के छत्तीसगढ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा— 40 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को उपयोग में लाते हुए कार्यपरिपद् एतद् द्वारा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ के अधीन सेवा के शिक्षकीय प्रवर्ग को संविदा आधार पर भर्ती से संबंधित विनियम बनाते हैं।

शासन के नियम 2002 के अनुसार

नियम

1. संक्षिप्त नाम, प्रयुक्ति तथा नाम

- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम पंoरविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय संविदा नियुक्ति शैक्षणिक विनियम 2009
- (2) तत्समय प्रवृत्त किन्हीं अन्य नियमों में अन्तर्विप्ट किसी बात के होते हुए भी, ये विनियम संविदा सेवा पर लिए गए शिक्षकों को लागू होंगे ।
- (3) यह विनियम कार्यपरिषद् में पारित होने की तिथि से प्रवृत्त होंगे ।
- 2. <u>परिभाषाएँ</u> इन नियमों में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो
- (क) समस्त पदों के संबंध में ''नियुक्ति प्राधिकारी'' विश्वविद्यालय का कुलपति होगा ।
- (ख) विश्वविद्यालय से अभिप्रेत हैं ''पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर''।

शासन के नियम 2002(1) यथावन

शासन में नियमित शियुक्ति का अधिवार राज्य सरकार को है। शासन के नियम 2002(2)में नियुक्ति प्राधिकारी प्राचाय को वनाया गया है। ग्रासन क नियम 2002(2)में विश्वविद्यालय के अनुगार मंशोधन करते हुई कुलपति को नियुक्त प्रश्विकार।

To

-

सूक्ष्म जांच समिति सृक्ष्म आंच समिति निम्नानुसार होगी.

(क) संकायाध्यक्ष

(ख) संबंधित विषय के विभागाध्यक्ष

(ग) कुलपति द्वारा मनोनीत संबंधित विषय का वरिष्ठ शिक्षक अथवा जहां नियमित का शिक्षक

शिक्षक उपलब्ध न हो किसी अन्य विषय

पारिश्रमिक संविदा पर कार्यरत् व्यक्ति को प्रतिमाह पारिश्रमिक उतनी राशि पारिश्रमिक देय होगा जो तत्समय राज्य शासन से अनुमोदित हो । वर्तमान में यह राशि 12,800 / - है ।

नियुक्ति का तरीका

(1) समस्त नियुक्तियों, नियुक्त प्राधिकारी द्वारा, सूक्ष्म जांच समिति द्वारा तैयार किए गए मेरिट आधार पर की जायेगी ।

(2) समिति शिक्षकों, के लिए अभ्यर्थी को दिए गए मेरिट अंकों के आधार पर गुणानुकम में एक मेरिट सूची बनायेंगी,

(3) मेरिट लिस्ट बनाने के लिए अधिकतम 100 मेरिट अंक रहेंगे और इसका मापदण्ड निम्नानुसार होगा -

(क)

(i) नेट / स्लेट परीक्षा उत्तीर्ण होने पर

25 मेरिट अंक

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

(ii)स्नातकोत्तर एवं एम.फिल. के लिए

25 मेरिट अंक

(iii)रनातकोत्तर एवं एम.फिल.तथा नेट/रलेट के लिए

30 मेरिट अंक

(iv) स्नातकोत्तर एवं पी-एचडी. के लिए

35 मेरिट अंक

(v) स्नातकोत्तर एवं पी-एचडी. तथा नेट/ रलेट के लिए

40 मेरिट अंक

स्नातकोत्तर, एम.फिल.एवं पी.एच.डी.तथा नेट/स्लेट (ख) युक्त या रहित के लिए स्नातक स्तर के प्राप्तांकों के लिए. 25 मेरिट अंक

> 50 प्रतिशत के लिए 0 अंक, 51 प्रतिशत से 71 प्रतिशत प्रत्येक 1 प्रतिशत के लिए 1 अंक तथा 70 से उपर अंक

शासन के वियम 2002(3) में सूक्ष्म जाच के अध्यक्ष प्राचार्य है तथा दो अन्य सदस्य. (1) विभागाध्यक्ष (2) वरिष्ठ प्राध्यापक है ।इसे वि. वि.अनुसार संशोधन प्रस्तावित।

> शासन का नियम 2002(4) तथा आदेश दिनांक 20/5/69 के अनुसार

शासन का नियम 2002(5) यथावत

शासन का नियम 2006 तक यथा संशोधित ।स्पष्टत विज्ञापन दिनांक 8/5/09 से उद्धृत

(3)

के लिए 5 बोनस अंक दिया जाएगा । (बोनस अंक के 70.5 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करना होगा)

- (ग) स्नातकोत्तर स्तर के प्राप्तांकों के लिए 30 मेरिट अंक 55 प्रतिशत के लिए 5 अंक, 56 प्रतिशत से 75 प्रतिशत प्रत्येक 1 प्रतिशत के लिए 1 अंक तथा 75 प्रतिशत से अधिक के लिए 5 बोनस अंक दिया जायेगा.(बोनस अंक देने के लिए 75.5 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करना होगा) शिक्षा विषय हेतु मेरिट निर्धारित करनें के लिये विभाजन परिशिष्ट 1 के अनुसार होगा।
- (घ) अध्यापन अनुभव विश्वविद्यालय में प्रत्येक पूर्ण 5 माह का अनुभव के लिए 1 मेरिट अंक, अधिकतम 5 अंक दिया जायेगा ।
- (4) (क) संविदा नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय समाचार पत्रों में विज्ञप्ति जारी की जाएगी
 - (अ) विश्वविद्यालय के सूचना पटल पर
 - (ब) संबंधित विषय के विभागीय सूचना पटल पर प्रतियां प्रदर्शित कर, आवेदन आमंत्रित किया जाएगा

(ख) प्राप्त समस्त आवेदनपत्र की प्रविष्टियां एक पृथक रजिस्टर में की जावेगी. रजिस्टर के अंतिम प्रविष्टि। के नीचे कुलसचिव या उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति हस्ताक्षर कर प्रमाणित करेंगे कि उस विषय में कितने आवेदन पत्र प्राप्त हुए।

शासन के नियम 2002(5)

शासन के नियम 2002(4)

केवल आवेदन पत्र सामन्य

कागज पर संशोधित किया

गया है।

6. समयावधि संविदा आधार पर लिए गए सेवा की समयावधि सामान्यतः एक अकादिमक सत्र के लिए होगी । मूल संविदा नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर संविदा नियुक्ति स्वंमेव समाप्त मानी जावेगी आवश्यकता के आधार पर एवं संविदा नियुक्त व्यक्ति की उपयुक्तता का आंकलन कर, पुनः संविदा नियुक्ति दी जा सकेगी. नियमित नियुक्ति नियुक्ति के पद

पर नियुक्ति की जाती है तो संविदा नियुक्ति स्वमेव समाप्त हो जावेगी ।

7.

आयु पात्रता के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 51 वर्ष होगी । शासन का नियम 2002 (6) में 10 माह की अवधि थी ।संविदा नियम 2004(11) के अनुसार संशोधन ।इसीलिये सब 2008-09 के लिये नियुक्त राविदा शिक्षकों से पुन आवंदन नहीं मणाये गये हैं ।(देखिये विसाधन)

· 33

- (F)
- 8. शैक्षणिक अर्हता अभ्यर्थी की शैक्षणिक योग्यताएं निम्न में से कम न हों.
- 3. रनातक स्तर पर कम से कम 50% अंक
- ब. संबंधित विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम 55 प्रतिशत अंक

टीप- नेट परिक्षा उत्तीर्ण अथवा 2002 के पूर्व आयोजित म.प्र. स्लेट परिक्षा अथवा सेट उत्तीर्ण /पी.एच.डी. /एम.फिल. को प्राथमिकता दी जायेगी।

9. अन्य शर्ते

- (क) इन विनियमों के अधीन कोई भी नियुक्ति, संबंधित प्रवर्ग या उससे उच्च प्रवर्ग में रिक्त पद के विरुध्द ही की जायेगी.
- (ख) इन विनियमों के अधीन शिक्षकीय पदों पर नियुक्तियां, अनुसूचित जातियों, अन्य पिछडा वर्गों तथा विकलांग व्यक्तियों क आरक्षण के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी विधि या नियमों द्वारा भाषित होगी. इस प्रयोजन के लिए रोस्टर विश्वविद्यालय स्तर पर रखा जायेगा.

शासन का नियम 2002 (8) यथावत टीप विजापन दिलांक 8/5/2009 के अनुसार

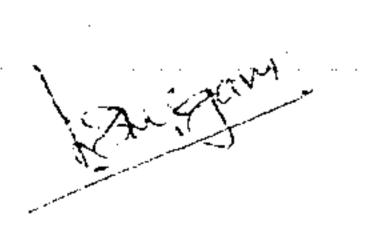
शासन का नियम 2002 (9) यथावत केवल (घ) में परिनियम 31 का पावधान जोडा गया

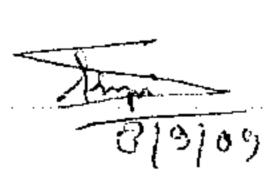
- (ग) महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम 1997 के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा ।
- (घ) इन विनियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई भी व्यक्ति परिनियम 31 सहपठित छ0ग0 सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 द्वारा शासित होगा.
- (ड.) इन विनियमों के अधीन सेवाओं का पर्यावसान, पदावधि के अवसान के पूर्व किसी भी ओर से एक माह की सूचना या उसके स्थान पर एक माह का वेतन देकर किसी भी समय किया जा सकेगा.
- (च) इन विनियमों के अधीन किसी भी पद पर नियुक्ति किसी व्यक्ति को महंगाई भत्ता, गृहभत्ता या कोई अन्य भत्ता देय नहीं होगा.
- (छ) इन विनियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई भी व्यक्ति विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को लागू नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता का अधिकार होगा.
- (ज) इन विनियमों के अधीन नियुक्त किया गया कोई भी व्यक्ति एक वर्ष में अनुपातिक आकस्मिक अवकाश तथा ऐच्छिक छुट्टियों का हकदार

होगा, किंतु किसी भी प्रकार के अवकाश या दीर्घावकाश का हकदार नहीं होगा.

- (झ) इन विनियमों के अधीन नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति का शासकीय अथवा अन्य सेवा हेतु आवेदनपत्र को अग्रेषित नहीं किया जाएगा, आवेदक को सीधे आवेदनपत्र देने की छूट होगी.
- (ट) इन विनियमों के अधीन नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति की अनुपस्थिति की स्थिति में अनुपातिक पारिश्रमिक की कटौती की जावेगी.
- (ठ) इन विनियमों के अधीन नियुक्त व्यक्ति को कुलपति तथा विभागाध्यक्ष के द्वारा निर्देशानुसार, पूर्ण करने होंगे.
- (ड) सेवा की कोई अन्य शर्ते ऐसी होगी, जैसा कि नियुक्ति के आदेश में विनिर्दिष्ट किया जाए.
- 10. आवेदनकर्त्ता द्वारा निर्धारित प्रारूप में संविदा निष्पादन के पश्चात् कार्य प्रारंभ किया जावेगा ।

शासन का नियम 2002 (10)





परिशिष्ट - एक

(क) 1 एम. एइ स्नातकोत्तर, शिक्षा में पी.एच.डी. / नेट / स्लेट	40	4.0	
2 एम. एड., रनातकोत्तर, पी.एच.डी.(अन्य विषय में)	40	40	
2 TH Ha - Haran - O (O)	35		
3 एम. एड., रनातकोत्तर, एम. फिल (शिक्षा)	35		
4 एम. एड., रनातकोत्तर, एम. फिल (अन्य विषय में)	30		
5 बी. एड., स्नातकोत्तर, पी.एच.डी. (अन्य विषय में)	30		
6 एम. एड., स्नातकोत्तर	30		
7 बी. एड., स्नातकोत्तर	.25		
ण वा. ५७., स्मातकात्तर	20		
(ख) 8 एम.एड के अंकों पर अधिकभार	30	30	
(ग) 9 बी.एड के अंकों पर अधिकभार	20		
(प) 10 विश्वविद्यालय के अध्ययन शाला में अध्यापन अनुभव	20	20	
क्रम् पत्योक ह गान गर ०० ० जन्म			
प्रत्येक 5 माह पर 02 अंक अधिकतम		10	
योग		100	

Jan Gm

•

•

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सहायक प्राध्यापकों के लिए संविदा नियम 2002 निर्मित किए गए हैं । जिसमें 2005 एवं 2006 में संशोधन किया गया है।

इन नियमों में तथा संविदा नियम 2004 को समन्वित करते हुए शासन द्वारा 2009 में संविदा विज्ञापन किया हैं ।

गार प्रस्तावित । Vite the multer presented 1110

entre entre de la companya della com

- Subject to the provisions of the Act, the Statutes and the Ordinances of the University, (b) the Staff Council shall make recommendations
 - Formulation of recommendations on introduction of new teaching posts in the School/Institute and expansion of the existing School/Institute with reference to academic activities;
 - ii. Formulation of admission policy within the framework of the policy laid down by the University;
 - iii. Formulation of guide-lines regarding arrangements for the residence and welfare of students in consultation with appropriate authority and students' organizations;
 - iv. Formulation of guidelines regarding discipline of the students;
 - Formulation of policies for recommending names of teachers for participation in V. seminars and conferences and financial assistance to teachers.
 - Formulation of guidelines and policies for other departmental Committees & Cell, vi. such as Grievance Redress Cell, Anti-Ragging Cell, DPC, and DRC, constituted in accordance with the respective Acts, Statutes, Ordinances, and Regulations of the University.

आदेशानुसार,

्रेट्र २) कुलसचिव

पृ. क्रमांक :3587-/अका./2011 प्रतिलिपि :--

रायपुर, दिनांक : २ न्/ 05 / 2011

- राज्यपाल के सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर (छ.ग.) ।
- राचिव, उच्च शिक्षा, छत्तीरागढ़ शारान, डी.के.एरा. भवन, गंत्रालय, रायपुर (छ.ग.)।
- आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)। 3.
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला/समस्त विभागीय अधिकारी, 4.
- वित्त नियंत्रक / प्रभारी अंकेक्षण, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर । 5.
- संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद/ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण/ प्रभारी जनसंपर्क 6. अधिकारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर । को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित

उप कुलसचिव (अका.)